Workshop on e-Uparjan 2016

Ashoknagar 13 January 2016

Like Previous years, this time also Wheat Procurement from farmers in Madhya Pradesh will be continue through NIC's e-Uparjan system. In this context, farmers' registration module has been released. In this module, the farmers' registration would be possible at society level. For smooth and effective implementation of the project in the Ashok Nagar district, NIC Ashok Nagar organized a one-day workshop on 13 January 2016. In this workshop, all 40 cooperative society managers with data entry operators and officers of food and civil supplies participated whereas Mr. S. K. Jain and Mr. Girish Anwekar from NIC Ashoknagar were the faculty.

District Informatics Officer Mr. S. K. Jain explained the technical points and features of the project. He illustrated the flow of data and suggested precautions for the accuracy of data. After that the MIS exhibited on the LCD projector by Mr. Girish Anwekar and all menu items were explained one by one to participants, also shown some examples of real data entry and displayed the reports. In the last, the participants raised their technical, procedural, and administrative doubts, which were clarified by NIC team and food and civil supplies officials.

40 केन्द्रों पर होगी गेहूं की खरीदी, लक्ष्य बढ़ाया, लेकिन खरीदी कम होने की आशंका

एक नया, चार केंद्रों में संशोधन

अशोकनगर @ पत्रिका
mp.patrika.com

जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए तैयारियां शुरू हो गई है। इस पर लक्ष्य पिछले खरीदी से कुछ बढ़ाकर रखा गया है। लेकिन समय पर बारिश न होने से खरीदी कम होने की आशंका है। जिले में इस बार एक नया खरीदी केन्द्र बनाया गया है, वहीं चार खरीदी केन्द्रों में संशोधन किया गया है।

उल्लेखनीय है कि समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी 25 मार्च से शुरू होनी है। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां अभी शुरू कर दी गई है। केन्द्रों का निर्धारण कर लिया गया है। अब पूर्व से पंजीकृत किसानों के डाटा को अपलोड करने एवं नए किसानों के पंजीयन का कार्य जारी है। यह कार्य 15 जनवरी से शुरू किया गया और 15 फरवरी तक किया जाएगा। पहले से पंजीकृत किसानों को नए पंजीयन की आवश्यकता नहीं है। इसके अलावा रकबे में संशोधन एवं पंजीकृत किसानों के बैंक खातों का सत्यापन भी शुरू हो चुका है। पुराने किसानों के बैंक खातों एवं डाटा में संशोधन का कार्य 22 फरवरी तक किया जाएगा। सभी आवश्यक तैयारियां 25 फरवरी तक पूर्ण करने के निर्देश है। खरीदी का कार्य 25 मार्च से 25 मई तक किया जाएगा।

अशोकनगर. ई-उपार्जन की बैठक में समिति प्रबंधकों को निर्देश देते अधिकारी।

चार केन्द्रों में संशोधन

इस पर खरीदी के लिए जलालखेड़ी में एक नया केन्द्र खोला गया है। वहीं 39 केन्द्र पुराने हैं, इनमें से चार में संशोधन भी किया गया है। इसमें पछेड़ी व लखाटी में संचालित विपणन सहकारी संस्था पछेड़ी के केन्द्रों को बंद कर हिनौतिया में चालू किया गया है। ओंडेर में संचालित सेवा सहकारी संस्था नहूरी के केन्द्र को बंद कर सेवा सहकारी संस्था ओंडेर में चालू किया गया है। वहीं अशोकनगर विपणन सहकारी संस्था को बंद कर सेवा सहकारी संस्था अशोकनगर को चालू किया गया है। इसके अलावा मुंगावली केन्द्र को बंद कर दिया गया है।

समस्याओं पर नजर

खरीदी के दौरान किसानों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। खरीदी केन्द्रों पर छाया व पानी की व्यवस्था न होने, दूरस्थ केन्द्रों पर परिवहन व पानी की समस्या, बार-बार बारदाना खत्म होने, तौल सही न होने, छोटे कांटों से तौल करने सहित अन्य कई समस्याओं से किसान पूरे समय जूझते रहते हैं। कई बार धीमी तौल के कारण किसानों को तीन से चार दिनों तक केन्द्रों पर ही खड़े रहना पड़ता है। इन सब समस्याओं पर नजर रखनी होगी और इनका समाधान करना होगा, ताकि किसान परेशान न हों।

समय पर मिले भुगतान

समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने वाले किसानों की सबसे बड़ी परेशानी समय पर भुगतान न मिलना है। किसानों को सात दिनों में भुगतान किए जाने की बात तो होती है, लेकिन उन्हें एक-एक महीने तक भुगतान नहीं मिलता और वे बैंक के चक्कर काटते रहते हैं। हंगामा और आंदोलनों का सहारा लेना पड़ा है। प्रशासन को इसके लिए भी पहले से तैयारी करनी होगी और भुगतान के लिए बेहतर इंतजाम करने होंगे।

एक लाख तीस हजार टन लक्ष्य

इस बार खरीदी का लक्ष्य पिछली बार की खरीदी से बढ़ाकर रखा गया है। पिछले साल 19 हजार 314 किसानों ने अपना पंजीयन कराया था और 01 लाख 27 हजार 837 टन गेहूं की खरीदी की गई है, जबकि इस वर्ष के लिए खरीदी का लक्ष्य 01 लाख 30 हजार टन रखा गया है। लेकिन समय पर बारिश न होने एवं फसलों को पर्याप्त पानी न मिलने के कारण खरीदी कम होने की आशंका बनी है। कई जगहों पर पानी की कमी से गेहूं की फसल को नुकसान हो रहा है।

समस्याओं पर नजर रखी जाएगी

ई-उपार्जन के लिए पंजीयन शुरू हो गए हैं। इस बार समस्याओं पर नजर रखने के लिए विशेष टीम गठित की गई है जो खरीदी केंद्र पर किसानों को आने वाली तथा उसका निराकरण करेगी।

आरसी मीणा, जिला आपूर्ति अधिकारी अशोकनगर

patrika Mon, 25 January 2016
epaper.patrika.com/c/8305397

\- - NIC Ashoknagar